'समानो मन्त्रः समितिः समानी'

UNIVERSITY OF NORTH BENGAL

B.A. Honours 5th Semester Examination, 2021

DSE-P2-HINDI (502)

Time Allotted: 2 Hours | Full Marks: 60

The figures in the margin indicate full marks.

पत्र-संख्या **DSE-502A** अथवा पत्र-संख्या **DSE-502B** में से किसी एक पत्र का उत्तर लिखिए।
उत्तर-पुस्तिका में पत्र-संख्या उल्लेख कीजिए।

DSE-502A

PREMCHAND

प्रेमचंद

1. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए – 3×4 = 12

(क) सुमन के चरित्र की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

(ख) 'दो बैलों की कथा' कहानी के शीर्षक की सार्थकता पर विचार कीजिए।

(ग) 'मुक्तिमार्ग' कहानी का मूल उद्देश्य लिखिए।

(घ) 'कर्बला' नाटक की भाषा पर विचार कीजिए।

(ङ) 'मुक्तिमार्ग' कहानी के शीर्षक की सार्थकता पर विचार कीजिए।

(च) प्रेमचन्द पर केन्द्रित तीन आलोचनात्मक पुस्तकों के नाम लिखिए।

2. निम्नलिखित गद्यांश में से किन्हीं चार की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – 6×4 = 24

(क) वसन्त के समीर और ग्रीष्म की लू में कितना अन्तर है। एक सुखद और प्राणपोषक, दूसरी अग्निमय और विनाशिनी। प्रेम वसन्त-समीर है, द्वेष ग्रीष्म की लू। जिस पुष्प को वसन्त-समीर महीनों में खिलाती है, उसे लू का एक झोंका जलाकर राख कर देता है।

(ख) बुढ़िया का क्रोध तुरन्त स्नेह में बदल गया, और स्नेह भी वह नहीं, जो प्रगल्भ होता है और अपनी सारी कसक शब्दों में बिखेर देता है। यह मूक स्नेह था, खूब ठोस, रस और स्वाद से भरा हुआ।

(ग) साहित्यकार का लक्ष्य केवल महफिल सजाना और मनोरंजन का सामान जुटाना नहीं है, उसका दरजा इतना न गिराइए। वह देश-भक्ति और राजनीति के पीछे चलनेवाली सच्चाई भी नहीं, बल्कि उनके आगे मशाल दिखाती हुई चलनेवाली सच्चाई है।

(घ) जीवन के प्रत्येक विभाग में आमोद-प्रमोद का प्राधान्य था। शासन विभाग में, साहित्य क्षेत्र में, सामाजिक व्यवस्था में, कला-कौशल में, उद्योग-धन्धों में, आहार-व्यवहार में सर्वत्र विलासिता व्याप रही थी। राजकर्मचारी विषय-वासना में, कवि-गण प्रेम और विरह के वर्णन में, कारीगर कलाबत्तू और चिकन बनाने में, व्यवसायी सुरमे, इत्र, मिस्सी और उबटन का रोजगार करने में लिप्त थे। सभी की आँखों में विलासिता का मद छाया हुआ था।

(ङ) इस विस्तृत संसार में उनके लिए धैर्य ही अपना मित्र, बुद्धि अपनी पथ-प्रदर्शक और आत्मावलम्बन ही अपना सहायक था।

(च) जब पेट भर गया, दोनों ने आज़ादी का अनुभव किया, तो मस्त होकर उछलने-कूदने लगे। पहले दोनों ने डकार ली। फिर सींग मिलाए और एक-दूसरे को ठेलने लगे।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के दीर्घ उत्तर दीजिए – 12×2 = 24

(क) 'साहित्य का उद्देश्य' निबंध के आधार पर प्रेमचन्द की साहित्य संबंधी अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'सेवासदन' उपन्यास की मूल संवेदना पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

(ग) नाटक के तत्त्वों के आधार पर 'कर्बला' नाटक की समीक्षा कीजिए।

(घ) 'ईदगाह' कहानी क मनोवैज्ञानिक पक्षों पर विचार कीजिए।

DSE-502B

ADHUNIK BHARATIYA SAHITYA

आधुनिक भारतीय साहित्य

1. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए – 3×4 = 12

(क) स्वाधीनता संग्राम से क्या तात्पर्य है ?

(ख) भारतीय नवजागरण का तात्पर्य स्पष्ट कीजिए।

(ग) बंकिमचन्द्र के तीन उपन्यासों के नाम लिखिए।

(घ) भारतीय नवजागरण के तीन अग्रदूतों के नाम लिखिए।

(ङ) 'निर्भय' कविता का मूल भाव क्या है ?

(च) 'आनंद मठ' शीर्षक का औचित्य बताइए।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 6×4 = 24

(क) राष्ट्रीयता की परिभाषा लिखिए।

(ख) 'आनंदमठ' उपन्यास की परिवेश-योजना पर प्रकाश डालिए।

(ग) सब्रमण्यम भारती का साहित्यिक परिचय दीजिए।

(घ) 'आज़ादी का एक पल्लू' कविता का मूलभाव स्पष्ट कीजिए।

(ङ) 'भारतीय कविता में राष्ट्रीयता' विषय पर एक टिप्पणी लिखिए।

(च) 'आनंदमठ' उपन्यास के पात्र महेन्द्र का चरित्र-चित्रण कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 12×2 = 24

(क) भारतीय नवजागरण की विशेषताओं पर विचार कीजिए।

(ख) 'आनंदमठ' उपन्यास के प्रतिपाद्य पर विचार कीजिए।

(ग) सुब्रमण्यम भारती की काव्यगत विशेषताओं पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

(घ) भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का भारतीय साहित्य पर प्रभाव का विश्लेषण कीजिए।

——×——